चेपॉक में होगा बिग बैश प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला

मेलबर्न, एजेंसीः चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश क्रिकेट प्रतियोगिता के 16वें सत्र का उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा, जब भारत किसी विदेशी क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबले की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे दिन इसका ऐलान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट मैदान पहुंचे। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ तथा पूर्व महिला क्रिकेटर लीसा स्टाल्कर भी उपस्थित रहीं। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों और अधिकारियों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री के ऐलान के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2026-27 सत्र का कार्यक्रम जारी किया। कार्यक्रम के अनुसार प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला 12 दिसंबर को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और मौजूदा विजेता पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स मेजबान टीम होगी। भारतीय समयानुसार मुकाबला दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर शुरू होगा। यह बिग बैश प्रतियोगिता के इतिहास में भी पहली बार होगा, जब इसका कोई मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने मान रही है। ऑस्ट्रेलिया में प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण चैनल सेवन, सेवन प्लस, कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट पर किया जाएगा, जबकि भारत में इसका प्रसारण जियोस्टार के माध्यम से होगा। भारत में प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियां कई माह पहले ही शुरू हो गई थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2026 में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान चेपॉक स्टेडियम का दौरा किया था। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष मिथुन मन्हास तथा तमिलनाडु क्रिकेट संघ के अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इसी दौरे के बाद दिसंबर में प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला चेन्नई में आयोजित करने की योजना को अंतिम रूप दिया गया।

एम. ए. चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम में लगभग 38 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है। वर्ष 1916 में स्थापित यह भारत के सबसे पुराने क्रिकेट मैदानों में शामिल है। भारत इससे पहले भी विदेशी खेल प्रतियोगिताओं के प्रचारात्मक मुकाबलों की मेजबानी कर चुका है। वर्ष 2019 में अमेरिका की राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के आधिकारिक पूर्व सत्र मुकाबले मुंबई में खेले गए थे। वहीं वर्ष 2018 में कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में स्पेन की फुटबॉल प्रतियोगिता और ऑस्ट्रेलिया की फुटबॉल प्रतियोगिता से जुड़ी टीमों ने भारतीय क्लब के साथ पूर्व सत्र प्रतियोगिता में भाग लिया था।

खास-खबरें

ओलंपिक चयन मानदंड 15 जुलाई तक तय करने के निर्देश

नई दिल्ली: युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने देश के सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों को लॉस एंजिलिस वर्ष 2028 ओलंपिक के लिए योग्यता मार्ग और खिलाड़ियों के चयन मानदंड 15 जुलाई तक अंतिम रूप देकर सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय ने सभी महासंघों से कहा है कि वे ओलंपिक के लिए योग्यता मार्ग, खिलाड़ियों के चयन के मानदंड तथा पूरी चयन प्रक्रिया अपनी-अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर 15 जुलाई तक उपलब्ध कराएं। साथ ही यह जानकारी भारतीय खेल प्राधिकरण तथा संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल संघों के साथ भी साझा की जाए, ताकि खिलाड़ियों को चयन प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

मंत्रालय ने बताया कि लॉस एंजिलिस वर्ष 2028 ओलंपिक की योग्यता प्रणाली पहले ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा जारी की जा चुकी है। इससे राष्ट्रीय खेल महासंघों को अपनी चयन नीति तैयार करने का आधार मिल गया है।

घुटने की चोट से अश्विन प्रतियोगिता से बाहर

नई दिल्ली: पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन दाहिने घुटने में चोट के कारण वर्ष 2026 की मेजर लीग क्रिकेट के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह

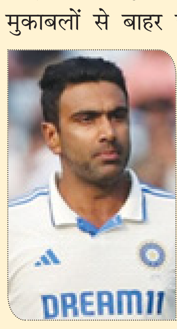

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पीटर सिडल को सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम में शामिल किया गया है। सिडल इससे पहले भी टीम के लिए कवर खिलाड़ी के रूप में प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुके हैं। अश्विन ने टीम की ओर से जारी बयान में कहा कि प्रतियोगिता बीच में छोड़ना उनके लिए निराशाजनक है, लेकिन चोट के कारण यही सही निर्णय है। उन्होंने कहा कि सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ बिताया गया समय यादगार रहा और अब वह शेष मुकाबलों में बाहर से टीम का समर्थन करेंगे। उन्होंने अपने साथियों, प्रशिक्षण दल, टीम प्रबंधन और प्रशंसकों का सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। अश्विन ने इस सत्र में यूनिकॉर्न्स के लिए केवल एक मुकाबला खेला। 20 जून को डैलस में टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने दो ओवर में 24 रन दिए, लेकिन कोई विकेट नहीं ले सके। उनकी अनुपस्थिति में युवा लेग स्पिनर अनिरुद्ध इमैनुएल, बाएं हाथ के स्पिन हरफनमौला हसन खान और कप्तान मैट शॉर्ट स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। मैट शॉर्ट इस सत्र में टीम के सबसे सफल स्पिन गेंदबाज रहे हैं। अश्विन का अगला टूर्नामेंट संभवतः यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग होगा, जिसमें वह डबलिन गार्जियंस के कप्तान और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। छह टीमों वाली इस प्रतियोगिता का आयोजन 26 अगस्त से 20 सितंबर तक आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड में किया जाएगा।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कमान सलीमा को

नई दिल्ली: हॉकी इंडिया ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। 20 सदस्यीय टीम की कप्तानी सलीमा टेटे को सौंपी गई है। पिछले महीने राष्ट्र कप का खिताब

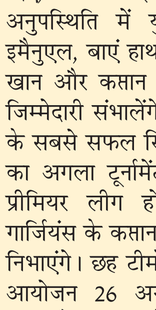

जीतने वाली टीम की कप्तान सलीमा टेटे पर एक बार फिर भरोसा जताया गया है। महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 18 सितंबर से दो अक्टूबर तक काकामिगहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में होगा। यह प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए एशिया की योग्यता प्रतियोगिता भी होगी। इसमें विजेता बनने वाली टीम को ओलंपिक में सीधा प्रवेश मिलेगा। भारतीय टीम में गोलरक्षक के रूप में सविता पूनिया और बिचू देवी खारीबम को शामिल किया गया है। रक्षण पंक्ति में इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति और शिल्पी डबास को स्थान मिला है। मध्य पंक्ति में निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा और दीपिका सोरेंग शामिल हैं। आक्रमण पंक्ति में लालरेम्सियामी हमारज़ोटे, रुतुजा पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह दी गई है। मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा कि खिलाड़ियों ने हाल के महीनों में अच्छा प्रदर्शन और बेहतर फिटनेस दिखाई है। उन्हें विश्वास है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फीफा: फ्रांस लगातार तीसरी बार विश्व कप के सेमीफाइनल में

मोरक्को को दो-शून्य से हराया, किलियन एम्बाप्पे ने लियोनेल मेसी की बराबरी की

लॉस एंजिल्स, एजेंसीः फ्रांस ने मोरक्को को दो-शून्य से हराकर वर्ष 2026 के फुटबॉल विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही फ्रांसीसी टीम लगातार तीसरी बार प्रतियोगिता के अंतिम चार में पहुंची है। इससे पहले वह वर्ष 2018 और वर्ष 2022 में फाइनल तक पहुंची थी।

मुकाबले के पहले चरण में पेनाल्टी का अवसर गंवाने वाले कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दूसरे चरण के 60वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके छह मिनट बाद उस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल दागकर फ्रांस की जीत सुनिश्चित कर दी। अब सेमीफाइनल में फ्रांस का मुकाबला स्पेन और बेल्जियम के बीच खेले जाने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

इस प्रतियोगिता में एम्बाप्पे के अब आठ गोल हो चुके हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के आठ गोलों की बराबरी कर ली है। हालांकि तीन गोल कराने में सहयोग के कारण वह स्वर्ण जूता की दौड़ में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। मेसी के नाम भी आठ गोल हैं, लेकिन उनके खाते में एक ही गोल कराने में सहयोग दर्ज है। सभी विश्व कप प्रतियोगिताओं को मिलाकर एम्बाप्पे अब 20 गोल कर चुके हैं। उनसे आगे केवल मेसी हैं, जिनके नाम 21 गोल दर्ज हैं। दूसरी ओर मोरक्को की हार के साथ प्रतियोगिता में अफ्रीका की अंतिम टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

मुकाबले की शुरुआत से ही फ्रांस ने मोरक्को पर दबाव बनाए रखा। पांचवें मिनट में एम्बाप्पे के प्रहार को गोलरक्षक यासीन बूनू ने शानदार ढंग से रोक दिया। इसके बाद दायो उपामेकानो के हेडर को भी बूनू ने विफल कर दिया। उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए और माइकल ओलीसे ने भी लगातार प्रयास किए, लेकिन मोरक्को के रक्षापंक्ति और गोलरक्षक ने पहले चरण में फ्रांस को बढ़त नहीं लेने दी।

मुकाबले के 26वें मिनट में नौसैर मजराउई ने दंड क्षेत्र के भीतर एम्बाप्पे को गिरा दिया, जिससे फ्रांस को पेनाल्टी मिली। एम्बाप्पे का प्रहार बूनू ने सही दिशा में छलांग लगाकर रोक दिया। इसी कारण पहले चरण की समाप्ति तक दोनों टीमें बिना किसी गोल के बराबरी पर रहीं।

विश्राम के बाद फ्रांस ने आक्रामक खेल जारी रखा। 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने दंड क्षेत्र के बाहर से शानदार घुमावदार प्रहार करते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। इसके छह मिनट बाद डेम्बेले ने सटीक प्रहार कर बढ़त को दोहरा कर दिया। बूनू ने गेंद को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसे गोल रेखा पार करने से नहीं बचा सके।

फ्रांस की जीत के बाद जहां पेरिस में समर्थकों ने शांतिपूर्ण ढंग से जश्न मनाया, वहीं लंदन में हिंसा की घटनाएं सामने आईं। बड़ी संख्या में फुटबॉल समर्थक सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान महानगरीय पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने मार्च किया और प्रभावित क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए।

लॉर्ड्स में स्मृति मंधाना का दमदार अर्धशतक

लंदन, एजेंसीः लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर खेले जा रहे पहले महिला टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम पहली पारी में 285 रन बनाकर आउट हो गई। भारत की ओर से स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। जवाब में पहले दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने एक विकेट पर 21 रन बना लिए थे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं, जबकि यस्तिका भाटिया 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। 37 रन पर दो विकेट गिरने के बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर पारी को संभाला। जेमिमा 35 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्मृति मंधाना के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। हरमनप्रीत ने 58 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने अपने 300वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 108 गेंदों पर 83 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

मध्यक्रम में दीप्ति शर्मा ने जिम्मेदारी संभालते हुए 87 गेंदों पर 57 रन बनाए। उन्होंने ऋचा घोष और स्नेह राणा के साथ उपयोगी साझेदारियां कर भारत का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया। भारतीय टीम 274 रन पर छह विकेट से आगे खेलते हुए अंततः 285 रन पर सिमट गई।

इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टन ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए। इजी वोंग, लॉरेन फिलर और मैडी विलियर्स ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि लॉरेन बेल को एक सफलता मिली।

जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहीं टैमी ब्यूमोंट दो रन बनाकर क्रांति गौड़ की गेंद पर पगबाधा आउट हो गईं। दिन का खेल समाप्त होने तक माया बाउशियर 17 और हीदर नाइट एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थीं।

इंग्लैंड की ओपनर टैमी ब्यूमोंट का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है। 35 साल की ब्यूमोंट 17 साल के करियर के बाद संन्यास ले रही हैं। उन्होंने 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में स्पेन व बेल्जियम के बीच होगी कड़ी टक्कर

बोस्टन, एजेंसीः फुटबॉल विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में स्पेन का मुकाबला बेल्जियम से होगा। दोनों टीमें अब तक प्रतियोगिता में अपराजित रही हैं। स्पेन के खिलाफ इस विश्व कप में अभी तक कोई भी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी है। मुकाबला लॉस एंजिल्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शनिवार रात 12.30 बजे खेला जाएगा।

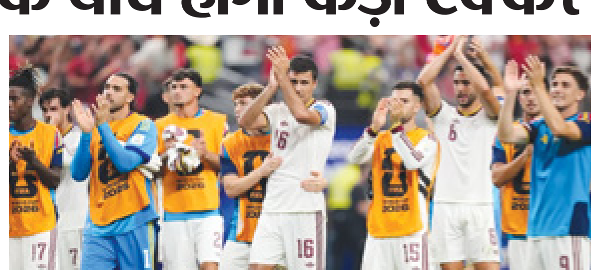

विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमें तीसरी बार आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में स्पेन के 18 वर्षीय खिलाड़ी लामिन यमाल पर विशेष नजर रहेगी, जो प्रतियोगिता में अब तक एक गोल कर चुके हैं। स्पेन और बेल्जियम के बीच अब तक 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इनमें स्पेन ने 12 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि बेल्जियम को पांच मैचों में सफलता मिली है। पांच मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए हैं। विश्व कप में इससे पहले वर्ष 1986 में बेल्जियम ने पेनाल्टी प्रहार में स्पेन को 5-4 से हराया था, जबकि वर्ष 1990 में स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। स्पेन ने इस विश्व कप में अब तक पांच मुकाबलों में चार जीत हासिल की है, जबकि एक मुकाबला बराबरी पर रहा। ग्रुप चरण में उसने सऊदी अरब को 4-0 तथा उरुग्वे को 1-0 से हराया, जबकि काबो वर्डे के खिलाफ मुकाबला बिना गोल के बराबरी पर समाप्त हुआ।

विंबलडन के महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य का दबदबा

एक ही देश की करोलिना मुहोवा और लिंडा नोस्कोवा के बीच खिताबी मुकाबला आज

लंदन, एजेंसीः विंबलडन टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल वर्ग में इस बार चेक गणराज्य की दो खिलाड़ियों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। प्रतियोगिता के इतिहास में 19 वर्ष बाद ऐसा अवसर आया है, जब एक ही देश की दो खिलाड़ी फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वर्ष 2009 में अमेरिका की विलियम्स बहनों के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया था।

गुरुवार को चेक गणराज्य की 29 वर्षीय करोलिना मुहोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को 6-2, 1-6, 7-6 (12-10) से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। इसके कुछ घंटे बाद लिंडा नोस्कोवा ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 6-4, 6-4 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में स्थान बना लिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला शनिवार को सेंटर कोर्ट पर खेला जाएगा। मुहोवा और गॉफ के बीच निर्णायक सेट में कड़ा संघर्ष देखने को मिला। टाई-ब्रेकर में स्कोर 8-8 होने पर सर्विस में देरी के कारण मुहोवा को समय उल्लंघन की चेतावनी मिली। अगले अंक पर उनका प्रहार बाहर चला गया और गॉफ को मैच अंक मिल गया। हालांकि गॉफ जाल के पास ड्रॉप शॉट लगाने में चूक गईं। मुहोवा ने इसका पूरा लाभ उठाते हुए लगातार दो अंक जीतकर फाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया।

स्पेशल खबर मुख्य प्रशिक्षक गौतम गंभीर की रणनीति और कप्तान श्रेयस अय्यर की भूमिका भी जांच के दायरे में...

इंग्लैंड से हार के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की होगी समीक्षा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा।

इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक गौतम गंभीर की भूमिका और टीम की रणनीति का भी आकलन किया जाएगा। साथ ही कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी भी समीक्षा के दायरे में रहेगी। समाचार एजेंसी के सूत्रों के अनुसार आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बोर्ड यह जानना चाहता है कि रणनीति और टीम चयन के स्तर पर कहां कमी रह गई। फिलहाल गौतम गंभीर और श्रेयस अय्यर को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन उनके कार्य का मूल्यांकन किया जाना तय माना जा रहा है।

गौतम गंभीर का अनुबंध वर्ष 2027 तक है, जबकि श्रेयस अय्यर को हाल ही में टी-20 विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव के स्थान पर टीम की कमान सौंपी गई थी। हालांकि यह बदलाव अब तक भारतीय टीम के पक्ष में नहीं गया है। भारतीय टीम लगातार दूसरी टी-20 श्रृंखला हार चुकी है। इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 श्रृंखला में भी भारत को शून्य-दो से हार का सामना करना पड़ा था। यह आयरलैंड के खिलाफ भारत की पहली टी-20 श्रृंखला हार भी रही।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में भारतीय टीम शून्य-तीन से पिछड़ गई थी, जबकि एक मुकाबले का परिणाम नहीं निकल सका। एक दिन पहले खेले गए चौथे मुकाबले में भारत को नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ इंग्लैंड ने श्रृंखला अपने नाम कर ली।

वर्ष 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड ने भारत को टी-20 श्रृंखला में हराया है। दोनों देशों के बीच अब तक 10 टी-20 श्रृंखलाएं खेली जा चुकी हैं। इनमें भारत ने पांच और इंग्लैंड ने चार श्रृंखलाओं में जीत दर्ज की है, जबकि एक श्रृंखला बराबरी पर समाप्त हुई थी।

ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 49 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। जवाब में इंग्लैंड ने 159 रन का लक्ष्य 13.5 ओवर में केवल एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ दो या उससे अधिक मैचों की द्विपक्षीय टी-20 श्रृंखला अपने नाम की।

इंग्लैंड से पहले आयरलैंड के खिलाफ भी भारतीय टीम को दो मैचों की टी-20 श्रृंखला में हार झेलनी पड़ी थी। इसके साथ ही वर्ष 2023 के बाद भारतीय टीम को किसी टी-20 श्रृंखला में पहली बार पराजय का सामना करना पड़ा। वर्ष 2023 में वेस्टइंडीज ने भारत को तीन-दो से श्रृंखला में हराया था।